दूर शिक्षा पाठ्यक्रम होंगे डिजिटल - कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

हिंदी विवि में दूर शिक्षा निदेशालय के संचालकों की बैठक

* अगले सत्र से बी.ए. स्तर के पाठ्यक्रम होंगे प्रारंभ
* किसान एवं ग्रामीण क्षेत्रों की जरूरतों पर नए पाठ्यक्रम
* बी.एड. की सीटें एक हजार तक बढ़ेंगी
* देशभर के अध्ययन केंद्र संचालक हुए शामिल

वर्धा दि. 02 नवंबर 2017 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा

निदेशालय द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों को शीघ्र ही डिजिटल किया जाएगा।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा समाज के हर वर्ग को देने तथा ग्रामीण अंचलों में उनकी जरूरतों को

ध्यान में रखते हुए नए पाठ्यक्रम बनाए जाएंगे। शिक्षा से वंचित लोगों के लिए दूर शिक्षा को

सशक्त विकल्प बनाने का प्रयास किया जाएगा। अगले शैक्षणिक सत्र से बी. ए. स्तर के

पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे और फिलहाल बी.एड. की 500 सीटों को बढ़ाकर एक हजार किया जाएगा। उक्त बातें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहीं। वे दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित अध्ययन केंद्रों के संचालकों के लिए गुरुवार, 2 नवंबर को आयोजित तृतीय अभिविन्यास कार्यक्रम के उदघाटन समारोह में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। गालिब सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव क़ादर नवाज़ ख़ान तथा दूर शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. अरबिन्द

कुमार झा, साहित्य विभाग के प्रो. के. के. सिंह, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रविन्द्र बोरकर, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एम. एम. मंगोड़ी मंचासिन थे। इस अवसर पर उदयपुर, अलिबाग, औरंगाबाद,

नांदेड, बुरहानपुर, नागपुर, खामगांव, आकोट, आरमोरी, राजूरा, देसाईगंज, साकोली आदि स्थानों से दूर शिक्षा अध्ययन केंद्रों के संचालक उपस्थित थे।

कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश प्रो. अरविंद कुमार झा ने बताते हुए कहां कि निदेशालय पिछले अनेक वर्षों से प्रगतिपथ पर अग्रसर है। निदेशालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आनेवाली सभी परिक्षाएं डिजिटल रूप में संचालित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रमों को ऑनलाईन उपलब्ध कराने से अमेरिका जैसे देशों से पाठकों की प्रशंसा प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न विषयों के वीडिओ लेक्चर भी उपलब्ध किए जाएंगे। बी.एड. की अधिक मांग को देखते हुए अगले वर्ष इसकी सीटें एक हजार तक बढ़ा दी जाएंगी। उन्होंने बी.एड. के लिए महाराष्ट्र राज्य के शिक्षकों से मिले प्रतिसाद को अधोरेखित किया। विदित हो कि भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे अब्दुल कलाम के द्वारा वर्धा में 15 जून 2007 को दूर शिक्षा केंद्र का प्रारंभ किया गया था।

कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। मेघा देशमुख ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ से किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य एवं विद्यार्थी संख्या के लिए तीन केंद्रों यथा विजय कंप्यूटर इंस्टिट्यूट रतलाम, मध्यप्रदेश, जाकिर हुसैन कॉलेज पटना एवं शांति निकेतन विमेन्स कॉलेज नागपुर को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार स्वरूप केंद्र के संचालक अमृतलाल बिंदुआ, डॉ. जंगी सिंह तथा श्रीमती बेंजामिन को शाल, स्मृतिचिन्ह, पुष्पगुच्छ एवं नारियल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक त्रिपाठी ने किया तथा आभार सहायक प्रोफेसर डॉ. अमरेंद्र कुमार शर्मा ने माना। कार्यक्रम की सफलता हेतु दूर शिक्षा निदेशालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. अमित राय, शैलश मरजी कदम, संदीप सपकाले, डॉ. शंभू जोशी, डॉ. गुणवंत सोनवणे, डॉ. पुरंदरदास, विनोद वैद्य, मेघा आचार्य, शिल्पा मसराम,

सरिता रोकडे, राम कनोरिया, देवाशीष चव्हाण, ज्ञानेश्वर चौधरी, अर्चना खोडे, कांचन शेंडे, अनिल बघेल, प्रवेश कुमार, वैभव राखुंडे आदि ने प्रयास किए।

दूर शिक्षण अभ्यासक्रम होणार डिजिटल - प्रो. गिरीश्वर मिश्र
हिंदी विश्वविद्यालयात दूर शिक्षण निदेशालयाच्या संचालकांची बैठक

* आगामी सत्रात बी.ए. स्तरावरील अभ्यासक्रम होणार प्रारंभ
* शेतकरी व ग्रामीण भागाच्या गरजांवर नवे अभ्यासक्रम
* बी.एड. च्या जागा एक हजार पर्यंत वाढवणार
* देशभरातील अध्ययन केंद्राच्या संचालकांची उपस्थिती

वर्धा दि. 02 नोव्हेंबर 2017 : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठातील दूर शिक्षण निदेशालयाच्या वतीने चालविण्यात येणार अभ्यासक्रम लवकरच डिजिटल करण्यात येणार आहेत. गुणवत्तापूर्ण शिक्षण समाजातील प्रत्येक घटकांना देणे तसेच ग्रामीण भागांच्या गरजा लक्षात घेऊन नवे अभ्यासक्रम सुरू करण्यात येतील. आगामी शैक्षणिक सत्रापासून बी. ए. स्तरांवरील अभ्यासक्रम संचालित करण्यात येतील. बी.एडच्या सध्याच्या जागा 500 वरून एक हजार करण्यात येतील. असे प्रतिपादन विद्यापीठाचे कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी केले. ते दूर शिक्षण निदेशालयाच्या वतीने गुरुवार, 2 नोव्हेंबर रोजी आयोजित अध्ययन केंद्रांच्या संचालकांच्या बैठकीत बोलत होते. गालिब सभागृहात आयोजित बैइकीला प्रतिकुलगुरू प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव क़ादर नव़ाज ख़ान तथा दूर शिक्षण निदेशालयाचे निदेशक प्रो. अरबिन्द कुमार झा, साहित्य विभागाचे प्रो. के. के. सिंह, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रविन्द्र बोरकर, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एम. एम. मंगोड़ी मंचावर उपस्थित होते. बैठकीला उदयपुर, अलिबाग, औरंगाबाद, नांदेड, बुरहानपूर, नागपूर, खामगांव, अकोट, आरमोरी, राजुरा, देसाईगंज, साकोली इत्यादि ठिकाणाहून दूर शिक्षण अध्ययन केंद्रांचे संचालक उपस्थित झाले.

कार्यक्रमाची रूपरेषा प्रो. अरविंद कुमार झा यांनी मांडली. ते म्हणाले की दूर शिक्षण निदेशालय दिवसेन दिवस प्रगती प्रथावर अग्रेसर आहे. अभ्यासक्रमाची हार्ड आणि सॉफ्ट कॉपी देण्यात येत आहे. आगामी सर्व परीक्षा डिजिटल पद्धतीने घेण्यात येतील. ऑनलाईन अभ्यासक्रमाला अमेरिका सारख्या देशातुन प्रशंसा मिळत आहे. बी.एड.अभ्यासक्रमाला महाराष्ट्र राज्यातील शिक्षकांचा उत्तम प्रतिसाद लाभत आहे असे सांगून त्यांनी शिक्षकांची प्रशंसा केली. उल्लेखनीय असे की भारताचे तत्कालीन राष्ट्रपती डॉ. ए. पी. जे अब्दुल कलाम यांनी वर्धेत 15 जून 2007 रोजी दूर शिक्षण केंद्राचे उदघाटन केले होते.

कार्यक्रमाचा प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलनाने झाला. मेघा देशमुख हिने स्वागत गीत प्रस्तुत केले. पाहुण्यांचे स्वागत पुष्पगुच्छाने करण्यात आले. यावेळी उत्कृष्ट कार्य करणारे तीन केंद्र एवं विजय कंप्यूटर इंस्टिट्यूट रतलाम, मध्यप्रदेश, जाकिर हुसैन कॉलेज पटना व शांती निकेतन विमेन्स कॉलेज नागपूर यांना क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्रदान करण्यात आला. पुरस्कार स्वरूप केंद्राचे संचालक अमृतलाल बिंदुआ, डॉ. जंगी सिंह तथा श्रीमती बेंजामिन यांना शाल, स्मृतिचिन्ह, पुष्पगुच्छ व श्रीफळ देऊन सन्मानित करण्यात आले. कार्यक्रमाचं संचालन अभिषेक त्रिपाठी यांनी केले तर आभार सहायक प्रोफेसर डॉ. अमरेंद्र कुमार शर्मा यांनी मानले. कार्यक्रमाच्या यशस्वीतेसाठी सहायक प्रोफेसर डॉ. अमित राय, शैलश मरजी कदम, संदीप सपकाळे, डॉ. शंभू जोशी, डॉ. गुणवंत सोनवणे, डॉ. पुरंदरदास,

विनोद वैद्य, मेघा आचार्य, शिल्पा मसराम, सरिता रोकडे, राम कनोरिया, देवाशीष चव्हाण, ज्ञानेश्वर चौधरी, अर्चना खोडे, कांचन शेंडे, अनिल बघेल, प्रवेश कुमार, वैभव राखुंडे, ढगे यांनी परिश्रम घेतले.